आईएमएफ ने मजबूत आर्थिक बुनियाद के दम पर बढ़ाया भारत का वृद्धि दर अनुमान

सात फीसदी के साथ इस साल भी सबसे तेज रहेगी भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। निजी खपत बढ़ने के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। 2025 में भारतीय जीडीपी के 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ ही, भारत 2025 तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली जीडीपी बना रहेगा। 2023 में भी अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ी थी। इससे पहले आईएमएफ ने इस साल अप्रैल में 2024 के लिए आर्थिक वृद्धि दर को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी किया था।

आईएमएफ ने मंगलवार को जारी आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निजी खपत में सुधार देखने को मिला है। आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, इस साल वैश्विक विकास में भारत और चीन की हिस्सेदारी लगभग आधी होगी।

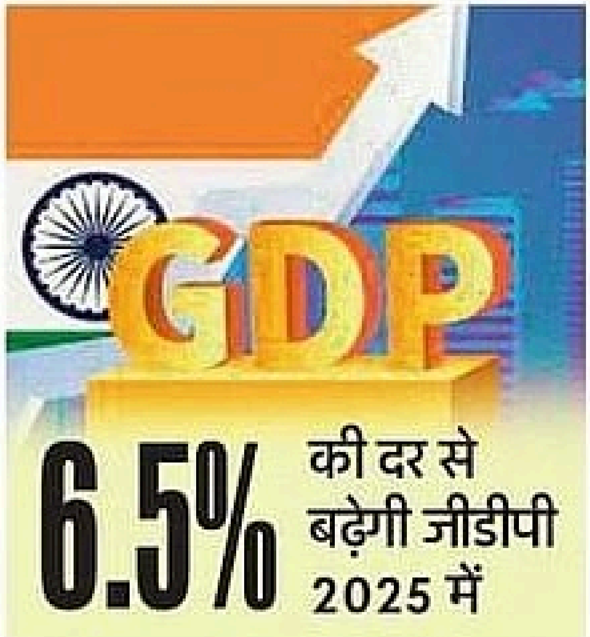

उभरते एशियाई देश दुनिया के इंजन

आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरीनचस ने कहा, एशिया की उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक जीडीपी के लिए मुख्य इंजन बनी हुई हैं। फिर भी अगले पांच वर्षों के लिए संभावनाएं कमजोर बनी हुई हैं।

अगले साल तक सबसे अधिक रहेगी विकास दर

देश	2024	2025
भारत	7.0%	6.5%
चीन	5.0%	4.5%
अमेरिका	2.6%	1.9%
यूरो क्षेत्र	0.9%	1.5%
जर्मनी	0.2%	1.3%
फ्रांस	0.9%	1.3%
इटली	0.7%	0.9%
स्पेन	2.4%	2.1%
यूके	0.7%	1.5%
कनाडा	1.3%	2.4%
रूस	3.2%	1.5%
सऊदी अरब	1.7%	4.7%

(सोर्स : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष)

वैश्विक विकास दर : 2024 में 3.2 फीसदी रहेगी

आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2023 के 3.3 फीसदी की तुलना में इस साल 0.1 फीसदी कम 3.2 फीसदी रह सकती है। यह अप्रैल में जताए गए उसके पिछले अनुमान के समान है। 2025 के दौरान वैश्विक जीडीपी के 3.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है।

- 2000 से 2019 तक महामारी से पहले आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण वैश्विक वृद्धि दर सालाना औसतन 3.8 फीसदी रही थी।

महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद

भारत समेत दुनियाभर को इस साल उच्च महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद है। आईएमएफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, 2024 में वैश्विक स्तर पर महंगाई 6.7 फीसदी से घटकर 5.9 फीसदी रह सकती है।

- गौरीनचस ने कहा, अच्छी खबर यह है कि अर्थव्यवस्था पर दबाव धीरे-धीरे कम हुआ है। साथ ही, महंगाई दर भी बिना मंदी के कम हो गई।
- बुरी खबर यह है कि ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की महंगाई कई देशों में लगभग महामारी पूर्व स्तर पर वापस आ गई है।
- भारत में खुदरा महंगाई जून में बढ़कर चार माह के उच्च स्तर 5.08 फीसदी पर पहुंच गई।